I

Lecture Series / No:-65.

online class
Date-6/7/2020
Time-10:50 to 11:40 A.M

Topic,

Space and Time.

Dr. Sunita Kumari
Department of Philosophy.
B.A part-I
Paper-II (H.)
A.N.D. College Shahpur Patory. Samastipur.

Ans:->

Kant के अनुसार हमारी ज्ञान शक्ति (Faculty of Knowledge) दो प्रकार की होती है (इसे हमें) (Hability) और दूसरे को बुद्धि (Understanding) कहा है। संवेदन शक्ति का कार्य ज्ञान के लिए विषय प्रस्ताव करना है। वे विषय को ~~संवेद~~ संवेदन (Sensation of intution) मानते हैं।

संवेदन शक्ति के अन्तर्गत दो जन्मजात या अनुभव निरपेक्ष है। जिन्हें देश और काल (Space and Time) कहते हैं। वह उन्होंने साली संवेदनाओं को

P.T.O.

Scanned with CamScanner

माध्यम से ग्रहण है Kant के अनुसार संवेदन ग्राह्यता के दो रूप space and time है।

जिनसे छनकर संवेदन रश्मियाँ हमारे मन रूपों में आती है। संवेदन सीधे बुद्धि विकल्पों तक नहीं पहुंच सकते वहां ज्ञान के लिए उन्हें देश और काल के द्वारों से जाना पड़ता है। धारणाओं के साँचों में ढलकर ज्ञान का रूप लेता है देश और काल के अवधारणा लेकर इन्द्रियां बुद्धि विकल्पों (categoey of Understanding) तक पहुंचते है।

देश और काल बाह्य पदार्थ नहीं है। बल्कि ये हमारे ही मानसिक चश्मे है।

जिस तरह आँखों पर हमारा चश्मा डाल लेने पर सभी चीजें हरी दिख पड़ती है। उसी

P.T.O.

इसी तरह संवेदनात्मक शक्ति के दो धर्म हैं। देश और काल जिसके कारण संवेदनों को यह

दैशिक और कालिक रूप में देखती है, अर्थात किसी वस्तु को किसी स्थान या किसी समय में दिक और काल के द्वारा ही इंगित करते हैं।

देश और काल से अलग करके किसी प्रकार के पदार्थ को देखना इसके लिए असम्भव है। और इनके माध्यम से देखना किसी के लिए भी स्वभावगत है।

देश और काल (Space and Time) आत्मगत हैं लेकिन गौण गुणों के समान – (आत्मगत नहीं) गौण गुण आत्मगत इसलिए कहे जाते हैं।

क्योंकि भिन्न-भिन्न व्यक्तियों की भिन्न-भिन्न चेतना होती है

END